चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक 6.3.2021 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 7-8

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डा. ए.के. सिंह

भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डा. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

● आईसीएआर के उप महानिदेशक ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

हिसार, 5 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डा. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डा. एम.एस. सिद्धपुरिया,

150 एकड़ में फैला है फार्म

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

ऑर्गेनिक कृषि से किसान करें आय में इजाफा

केंद्र के निदेशक डा. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा क्वात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......

दिनांक 6.3.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 5-7

'हर जिले में विकसित हो मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र: डॉ. सिंह'

हिसार, 5 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है, जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यक्त किए।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह व अन्य।

वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सैंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें।

साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें, ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। इस अवसर पर कुलपति के ओ.एस.डी. डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 6.3.2021 ....पृष्ठ संख्या.....6.....कॉलम...1-3.....

कार्यक्रम

आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. एके सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

एचएयू हर जिले में विकसित करे केंद्र

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया है।

विश्वविद्यालय को सभी जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर आर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा और स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा आदि मौजूद रहे।

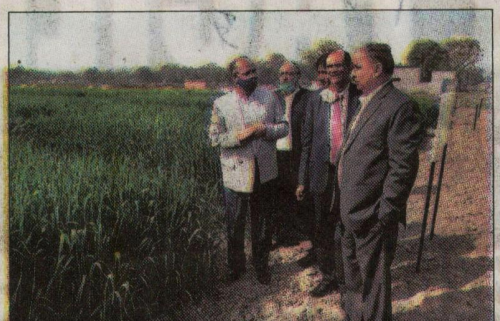

फार्म का भ्रमण करते डॉ. एके सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। अमर उजाला

150 एकड़ में फैला है फार्म

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। केंद्र निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**06.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. एके सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। च चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श: प्रोफेसर समर सिंहविश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**05.03.2021**	--	--

आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं

व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श- प्रोफेसर समर सिंह

दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहारावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**05.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. ए.के. सिंह

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**05.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। कुलपति समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**05.03.2021**	--	--

हरियाणा कृषि विवि हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. ए.के. सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**05.03.2021**	--	--

समस्त हरियाणा | शुक्रवार, 5 मार्च, 2021

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. ए.के. सिंह

आईसीएआर के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से सांझा किए विचार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार को जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**06.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ.एके सिंह

पल पल न्यूजः हिसार, 5 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से

विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा केसरी न्यूज	**06.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. सिंह

सिरसा केसरी| न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	**05.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. ए.के. सिंह

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यम्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को

बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श: प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**05.03.2021**	--	--

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें: डॉ. सिंह

हिसार/05 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**05.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. ए.के. सिंह

मंगाली : पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफैसर समर सिंह व अन्य।

मंगाली, 5 मार्च (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**05.03.2021**	--	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र-डॉ. ए.के. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**05.03.2021**	**Online**	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. एके सिंह

SHARE 0

आईसीएआर के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने वैज्ञानिकों से सांझा किए विचार

हिसार,

हिसार का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए।

यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श: प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 6.3.2021 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 4-5

वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को मिलेगी हर जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला (रबी) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के विज्ञानी व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है।

इस वेबसाइट पर लें जानकारी

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जों किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति डब्ल्यू डब्लयू डब्लयू डॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है। किसानों को वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो क्लिपिंग

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है। मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर, अमर उजाला.....

दिनांक ..6..3..2021...पृष्ठ संख्या....2, 5.....कॉलम..5, 1.....

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला 9 और 10 मार्च को

हिसार | एचएयू 9 और 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित करेगा। एचएयू के वैज्ञानिक और कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्यूमेंट्री व वीडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वह जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति वेबसाइट लिंक से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है।

हकृवि का वर्चुअल कृषि मेला 9 व 10 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में वृत्तचित्र व वीडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। जिसका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**06.03.2021**	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डब्लयू डब्लयू डब्लयूडॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा

घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो क्लिपिंगमेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा)डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

फसल विविधिकरण होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होंगे वेबिनारविस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील डांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेयरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेयरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे।

मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी ले सकते हैं। फेसबुक व यु-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसानवर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु-ट्यूब चैनल से जुडक़र भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे। इन प्रदर्शनियों के लिए बुकिंग जारी है। कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियांमेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है।

कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह इस बार भी अधिकाधिक सख्या में किसान इस मेले में जुडक़र अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**06.03.2021**	--	--

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला (रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रुप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	**06.03.2021**	--	--

संक्षिप्त समाचार

वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति एचएयू कृषि मेला वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**05.03.2021**	--	--

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 से

हिसार/05 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। मेले के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस मेले के आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। मेला अधिकारी एवं सह निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीड़ियो क्लिपिंग बनाकर वैबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विड़ियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वैबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेयरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेयरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाईन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**05.03.2021**	--	--

संक्षिप्त समाचार

हकृवि का वर्चुअल कृषि मेला 9 व 10 मार्च को

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**05.03.2021**	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन केया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो क्लिपिंग

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा)डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

फसल विविधिकरण होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होंगे वेबिनार

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श केंद्र)डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेयरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेयरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी ले सकते हैं।

फेसबुक व यु-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यु-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे। इन प्रदर्शनियों के लिए बुकिंग जारी है।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह इस बार भी अधिकाधिक सख्या में किसान इस मेले में जुडकर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**05.03.2021**	--	--

वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डब्लयू डब्लयू डब्लयू डॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' (www.haukrishimela.com) वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**05.03.2021**	--	--

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 को

मंगाली : विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा।

मंगाली, 5 मार्च (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**05.03.2021**	**Online**	--

वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

हिसार,

यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्तूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला (रबी) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व वीडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. अरएस हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डब्लयू डब्लयू डब्लयू

डॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' (www.haukrishimela.com) वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।

वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं वीडियो क्लिपिंग

मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकर की जानकारी मिल सके। इन वीडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिएगए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

फसल विविधिकरण होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होंगे वेबिनार

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील दांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेयरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेयरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। मेले के दिन 9 मार्च को सांय 4 से 5 बजे तक किसानें के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवब कर जानकारी ले सकते हैं।

फेसबुक व यू-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान

वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुडक़र भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे। इन प्रदर्शनियों के लिए बुकिंग जारी है।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई जिम्मेदारियां

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मास्क व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे। इसके अलावा व्हाटशप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेले का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष अयोजित वर्चुअल कृषि मेला (रबी) की तरह इस बार भी अधिकाधिक सख्या में किसान इस मेले में जुडक़र अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शांत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के पैनल बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........

दिनांक ..6.3.2021... पृष्ठ संख्या ....3.... कॉलम ....7-8....

'कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण आयोजित'

कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद प्रशिक्षणार्थी।

मंडी आदमपुर, 5 मार्च (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा बेरोजगार युवक व युवतियों के लिए 5 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान 15 गांव के युवक व महिलाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया। केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय बारे जानकारी दी।

इस मौके पर अजीत सांगवान, डॉ. सत्यवीर कुंडू व डॉ. निर्मल मौजूद रहे।